SPTTC TIMES

Newsletter

SPTTC

July.to Dec.2021

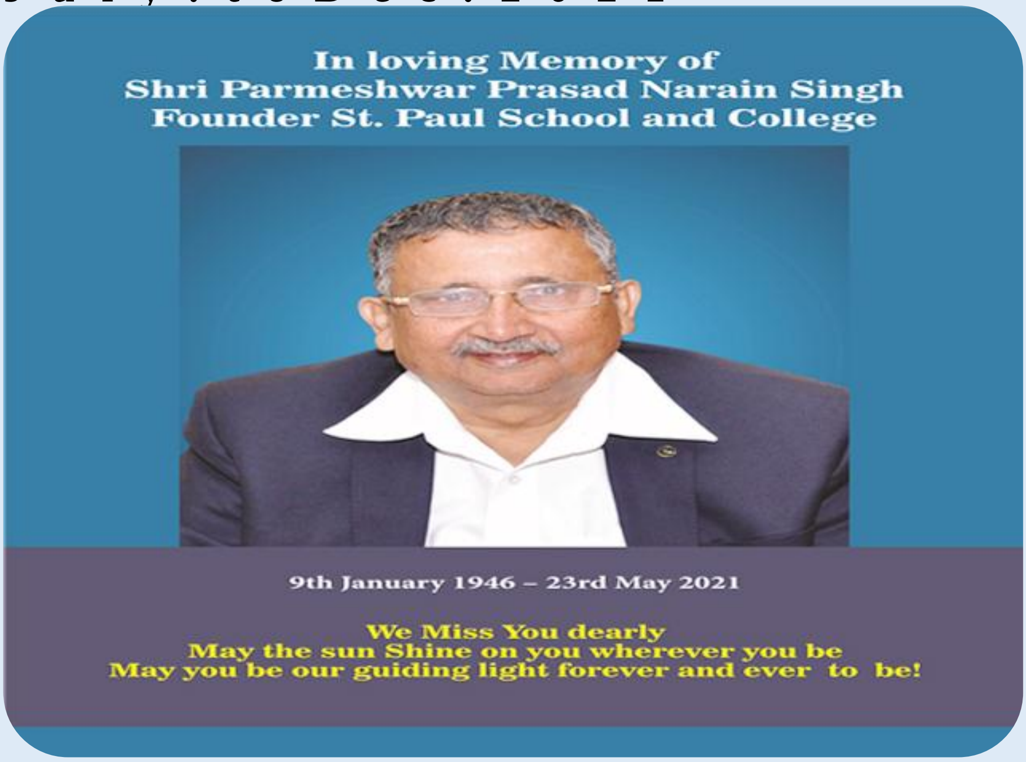

About Late Parmeshwar Prasad Narain Singh

Late Parmeshwar Prasad Narain Singh established St. Paul Senior Secondary School in year 1987 with the objective to make good education accessible to people of north Bihar. His contribution in the field of education was praiseworthy. He opened schools and college not only in schools and college not only in samastipur district but other parts of Bihar too. He was believe of education for all. He provide free education to several children. He thought that each and every child should get the opportunity of education irrespective of their caste, creed, religion and financial disabilities. He had a democratic feeling in this regard. He was sociable & hospitable. He had made a strong bond and relationship with all communities. He was a philanthropic and helpful to all who were in need. Though, he is no more with us, still we can feel his presence at every moment. He will always remain alive amongst all of us.
Management & staffs of St Paul family.

Patron

Avinash Kumar
Secretary
SPTTC, Birsinghpur

Advisory Board

Shree Umacharan Singh
(Chairman)
SPTTC, Birsinghpur

Shree Maheshwar Thakur
Member OF IQAC

Shree Amitabh Kumar
Secretary PNET

Dr. Roli Dwivedi
Principal
SPTTC, Birsinghpur

Editorial Team

S.M.Tahseen.Alam Quadri
Coordinator
Mr. S.P. Chaudhary
Co-coordinator
Ms. Arpana Kumari
Member
Mr. Aditya Prakash
Member
Ms. Sweta Kumari
Member
Mr. Hasan Abad
Member

Editorial Office

St. Paul Teachers' Training College Birsinghpur, Samastipur

(Under Aegis of Parmeshwar Neeta Education Trust) Recognized by NCTE, Bhubaneshwar
Affiliated to L.N.Mithila University, Darbhanga (B.Ed.) & Bihar School Examination Board Patna (D.El.Ed.)
At- Jhahuri, Post-Birsinghpur, Block- Kalyanpur, District – Samastipur, Pin Code – 848102, Tel: 06274-294029
Email: spttcbirsinghpur@gmail.com
Website: www.spttcbir.org

In This Issue

Campus Buzz
Student Buzz
News Cliping

SPTTC TIMES

Campus Buzz

Newsletter

खेल सत्र

आज दिनांक – 05.12.2021 को संत पॉल टीचर्स ट्रैनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर , समस्तीपुर में खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी एवं खेल प्राध्यापक पर्थ घोष की उपस्थिति में की गई। खेल प्रतियोगिता के समय उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए, प्राचार्या ने कहा कि खेल मानव जीवन की एक क्रिया एवं रचनात्मक प्रवृतियाँ है, जो स्वाभाविकता, स्वतंत्रता एवं आनन्द के लक्षणों द्वारा अनुभव की जाती है। उन्होने कहा कि बालक– बालिकाओं को खेलो द्वारा शिक्षा प्रदान करनी चाहिए। खेल द्वारा शिक्षा पद्धति के सिद्धांत पर ही शिक्षा जगत में भ्रमण शिक्षण, प्रोजक्ट पद्धति, स्काउट आदि आगमन प्रचलित है। गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर भी बालकों की शिक्षा के लिए उनकी नैसर्गिक प्रवृतियों का प्रयोग करने के हियायती थे। उनका मानना था कि जो जो छात्र – छात्राएँ खेलों मे भाग लेते है। वे उच्च एवं व्यापक व्यक्तित्व के धनी होते है। साथ ही वे जीवन विकास व उपब्धियों के पटल पर अग्रणी होते है। बच्चो के सर्वांगीण विकास में खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इन खेलों द्वारा प्रशिक्षुओं में व्यक्ति निर्णय क्षमता, वस्तुओं की जानकारी, समायोजन, समन्वय, सद्‌भाव, साहस जैसे गुणों का स्वभाव में स्वतः ही विकास हो जाता है।खेल प्राध्यापक पार्थ घोष ने खेल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल एकल एवं समूह दोनो रूपों में खेले जाते है। दलीय खेलों में भाग लेने पर खिलाड़ियों को कुशल नेतृव प्रदान करता है। नूतृत्व एक ऐसा पक्ष है जो समाजिक प्रभावशीनता को हम खेल के मैदान में देख सकते है।समूह के लोग अपने नो की इच्छा के अनुसार कार्य करना चाहता है वे जानते है कि उनका नेता उनसे क्या और कौन सा कार्य करवाना चाहता क्या है ? वह एक समन्वित समाजिक समूह का विकास करता है, चाहे वह, कबड्‌डी, खो–खो, फुटबाल अन्य किसी भी खेल की टीम हो, वह सब में अधिक से क्षमताओं का निरूपण करना चाहता है।

समाजिक समसरता जागरूकता अभियान

आज दिनांक – 21.10.2021 को संत पॉल टीचर्स ट्रैनिंग कॉलेज बीरसिहंपुर, समस्तीपुर में समाजिक समरसता जागरूकता अभियान का विधिवत आरंभ किया गया। डॉ0 रोली द्विवेदी ने अभियान में सम्मिलित प्रशिक्षुओं से आहवान किया कि अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग के लोगों को जागरूक करें, उन्हे भ्रमित होने से सतर्क रखें जिससे वे वातावरण को विषाक्त करने वाले व्यक्तियो से सजग रहे उन्होने कहा कि समाज को जागरूक करने के लिए उन्ही माध्यमो का प्रयोग करें। जिन से उन्हे भ्रमित किये जाने को प्रयास किया जा रहा हों। गॉव की वस्ती और मोहल्लो समाजिक समासता एवं आपसी सद्‌भाव के लिए चेल प्रतियोगिताओं जैसे आयोजन भी सार्थक होगे।

महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक श्री सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा की संविधान की प्रस्तावना अनुसार समाजिक न्याय प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। संविधान सर्वोपरी है, हमारी प्रेरणा का स्रोत है। श्री चौधरी ने अपेक्षा की कि समाजिक जागरूक अभियान के उपरान्त महाविद्यालय के प्राध्यापक अपने–अपने समाज में समरसता वातावरण बनायेगें।

दो दिवसीय सेमीनार

संत पॉल टीचर्स ट्रैनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर समस्तीपुर में आज दिनांक – 09.03.2022 को दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर सेमिनार का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्जवलित संयुक्त रूप से महाविद्यालय के सचिव महोदय, प्राचार्या माहोदया एवे मि0 वि0 के वरिष्ठ प्राध्यापक मनेश्वर यादव जी परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार मेहता जी एवं प्राचार्य ज्ञान देव त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ज्ञानदेव त्रिपाठी ने नई शिक्षा निति 2020 क्रियान्वयन में प्रमुख चुनौतियाँ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एक बहुभाषी,बहु सांस्कृतिक और विकासशील राष्ट्र है जिसकी परिवर्तित ग्लोवल परिस्थितियों में नवीन आवश्यकताएँ हैं।इसके लिए हमे एक ऐसा शैक्षिक ढ़ाचा खड़ा करना होगा जिससे युवा शक्षित, प्रशिक्षित और नवाचारी हो। उसके लिए यह आवश्यक है, कि समावेशी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा नीती का ड्राफ्ट आवश्यक हो गया था। उन्होने कहा कि क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शी । सिद्धांतों की पहचान की गई है–

1नीति की भावना का प्रयोजन 2. चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन 3. प्राथतिकता के आधार पर कार्य करना 4. व्यापकता 5.केन्द्र व राज्य में समन्वय 6. मानव संरचना गत वित्तिय संसाधनों को जुटाना और 7. विभिन्न उपायों के बीच परस्पर जुड़ा । का सार व सावधानी पूर्वक विश्लेषण और समीक्षा कर आगे बढाना।

मिथिला विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अशोक कुमार मेहता ने कहा सबसे बड़ी चुनौती सैक्षणिक ढांचा विकसित करने की है। इसके लिए अभी तक 6प्रतिशत छात्र राशि आवंटन का प्रावधान पूर्व में किया जा चुका है पर धरातल पर उतारना और बजट में समन्वय करना चुनौती पूर्ण होगा जबकि पिछले वर्ष वर्तमान सरकार ने शिक्षा जबकि पिछले वर्ष वर्तमान सरकार ने शिक्षा में कटौती की है।

SPTTC TIMES

Campus Buzz

Newsletter

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज बीरसिंहपुर,समस्तीपुर में मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए, इनके उपयोग को बढावा देने के उद्देश्य ये 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' दिनांक – 21.02.2022 को मनाया गया। छात्र–छात्राओं को अपनी मातृभाषा दिवस के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के ज्ञान के साथ–साथ शिक्षण को भी रूचिकर एवं प्रशिक्षुओं में अति उपयोगी बनाने की दिशा में अभिनव प्रयास किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने कार्यक्रम के शुभारंभ में छात्राओं एवं उपस्थित प्राध्यापकों का अभिनन्दन करतें हुए मातृभाषा का अभिनन्दन किया। उन्होने कहा कि मातृभाषा जीवन का मूलाधार है। यही व्यक्ति में चेतना का विस्तार करती है।

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापिका श्रीमति श्वेता कुमारी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि माँ बच्चों की प्रथम गुरू होती है। शिशु का भावनात्मक लगाव के साथ शब्दिक सम्प्रेषण माँ से ही प्रारंभ होती है। मातृभाषा विचारो की सोच और समझ की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। दूसरी भाषाओं को समझने में इससे बल मिलता है। भाषा शिक्षक पवन कुमार ने कहा कि मातृभाषा जीवन का आधार है। कार्यक्रम का संचालक सहायक प्राध्यापक श्री सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी के द्वारा किया गया।

उन्नति के मूल निज विन भाषा ज्ञान के मिरत न हियुय के थुल। समस्त कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के माध्यम से एवं हिन्दी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

कोविड –19 जागरूकता अभियान

संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में आज दिनांक – 18.11. 2021 को '' कोविड–19 जागरूकता अभियान'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने कहा कि विभिन्न बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, कोविड योद्धा मानवता की सेवा करने के लिए हर मौके पर पहुँचते है। देश डॉक्टरों, नर्सो, चिकित्सका सहायक, अग्रिम मोर्चे के कार्यकर्ता, पुलिस कर्मियों स्वयं सेवकों एवं पत्रकारो का हमलोगों ऋणि है, जिन्होने हमारे देशवासियों की कोविड–19 से रक्षा के लिए अथक प्रयास एवं परिश्रम किया है। जिस कारण हम बिहार एवं देश के नागरिक सुरक्षित महसूस कर रहे है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण है, जब स्वास्थ्य सेवाकर्मियों को अपने कर्तव्यों के निर्वाहन के दौरान उत्पीड़न, हिंसा, धमकी और जीवन के लिए खतरे का सामना करना पड़ा। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि सभी छात्र–छात्राओं महाविद्यालय कर्मियों कों बुस्टर डोज ले लेने की जरूरत है, ताकि इस वैश्विक महामारी पर विजय प्राप्त किया जा सके। उन्होनें यह भी कहा कि साफ सफाई की भी विशेष जरूरत है, साथ ही योग के द्वारा शरीर की रोग रोधक क्षमता को बढ़ा कर इस महामारी पर विजय प्राप्त किया जा सकता है।

महाविद्यालय वरिष्ठ प्राध्यापक श्री मनोज कुमार ने कहा कि दवाओं को फिर से तैयार करने के तहत वैज्ञानिक परीक्षण और आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण का उपयोग करके पारंपरिक ज्ञान के द्वारा इस वैश्विक महामारी को हराया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक मुकेश कुमार ने किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताहिक पर रैली

आज दिनांक– 26.10.2021 को संत पॉल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज वीरसिंहपुर समस्तीपुर में '' सर्तकता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी, मो0 निजामुद्दीन , मो0 तहसीन आलम कादरी, श्री मनोज कुमार, श्री चन्द्र भुषण मिश्रा, श्री श्याम किशोर सिंह, श्रमति मीना कुमारी , श्री मुकेश कुमार श्री मिथिलेश कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार एवं संगीत प्राध्यापक श्री संजीव कुमार, खेल प्राध्यापक पार्था घोष एवं शिक्षेकतर कर्मचारी कुमार सौरभ, कन्हैया कुमार, रामकृष्ण भारती, विनय झा एवं प्रशिक्षु राहुल कुमार रामकुमार महतो, चान्दनी कुमारी, सीमा कुमारी, अमरिता कुमारी, दीक्षा कुमारी, सुरभि कुमारी, काजल कुमारी, निष्ठा मिश्रा सोनाली मिश्रा आदि को कर्तव्य एवं सत्य निष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाया। इस कार्यक्रम में प्रतिज्ञा ली गई कि प्रत्येक नागरिक को सर्तक रहना चाहिए और हर समय ईमानदारी एवं कानुन के नियमों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ0 रोली द्विवेदी ने कहा कि देश के सभी नागरिकों हितधराकों को भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

सभी छात्र–छात्राओं ने अपील की गई कि वे किसी भी कार्य में भ्रष्टा, रिश्वतखोरी, बेईमानी का कड़ा विरोध करें तथा सच्चा नागरिक हाने का परिचय दें। कार्यक्रम का संचालन आदित्य प्रकाश ने किया।

News Cliping